ISSN : 2229-5550

नाट्यम् 81

अप्रैल-जून, 2017

Scanned with CamScanner

अनुक्रम

1.	नाट्य-शास्त्र के विकास में नाट्य दर्पणकार रामचन्द्र-गुणचन्द्र का योगदान *संगीता मेहता*	9
2.	संस्कृत नाटकों में रामकथा *सञ्जय कुमार*	16
3.	उत्तररामचरितम् : राम की सीता कथा *आशुतोष*	32
4.	विदग्धमाधवम् की नायिका राधा का नाट्यशास्त्रीय पक्ष *नौनिहाल गौतम*	49
5.	आतंकवाद को अभिव्यञ्जित करता कश्मीर क्रन्दन नाटक *वत्सला*	60
6.	आधुनिक संस्कृत नाटक लीलाभोजराजम् का वैशिष्ट्य *शाहीन आफरी*	71
7.	मुरारी कृत अनर्घराघवम् नाटक में अद्भुत रस-विवेचन *बाबूलाल मीना*	76
8.	संवादों में दुष्यन्त का औदात्य *कृष्णमोहन पाण्डेय*	83
9.	प्रशान्तराघवम् नाटक के नायक राघव *अलीशिया रज़ा*	90
10.	संस्कृत नाटकों में प्रयुक्त नान्दी का आधुनिक स्वरूप *सौम्या कृष्ण*	95

Scanned with CamScanner

2

संस्कृत नाटकों में रामकथा

सञ्जय कुमार

संस्कृत साहित्याकाश में राम की जीवनगाथा को बड़े मनोयोगपूर्वक रूपायित किया गया है। साहित्य की प्रत्येक विधा राम के जीवन-चरित को उकेरने के लिए ही अपने समूल के साथ उपस्थित होती है। उसकी यह उपस्थिति इस कदर होती है कि सहृदय पर अपनी अमिट छाप छोड़ देती है। फलस्वरूप वह राम के यशस्वी चरित को गुनने लगता है। जीवन की वस्तुस्थिति को समझता हुआ पाठक साहित्य सरिता में भाव-विभोर हो जाता है। जहाँ उसे एक ऐसे व्यक्तित्व का दर्शन होता है जिसका जीवन सम्पूर्ण आदर्श का कोश बनकर साहित्य जगत को अपने निर्मल कीर्ति से चमत्कृत कर रहा होता है। यह साहित्य गंगा विशाल एवं अगाध जल (रस) वाली है। उसकी एक शाखा नाट्यविधा भी है जो अपने वर्णन वैविध्य से दुःखार्त, श्रमार्त, शोकार्त एवं तपस्वियों को विश्रान्ति प्रदान करती है-

दुःखार्तानां श्रमार्तानां शोकार्तानां तपस्विनाम्।
विश्रान्ति जननं काले नाट्ययमेतद् भविष्यति।।[1]

यह नाटक सभी लोगों के रंजन का सुखद केन्द्रस्थल है और जब उसे रामचरित जैसे महान् व्यक्तित्व का आश्रय मिल जाता है तो पूछना ही क्या? फिर तो पग-पग पर जीवन मूल्य छिटकने लगते हैं, आनन्द के घन-घोर बादल उमड़-घूमड़ कर वर्षा करने लगते हैं। इस आनन्द से रस-सिक्त हुआ पाठक अपने अश्रू-पूरित नेत्रों से आनन्द घन के विराट व्यक्तित्व में कुछ ढूंढने का प्रयत्न करता है। राम का ऐसा व्यक्तित्व है जो सदैव हमें एक पथ देता है जो सुदूर जाकर भी समाप्त नहीं होता है। इसलिए तो ब्रह्माजी ने महर्षि वाल्मीकि को रामकथा लिखने के लिए प्रेरित किया -

Scanned with CamScanner